चिंता हो ना भय हो राधा रानी की जय हो

चिंता हो ना भय हो, राधा रानी की जय हो,
ऊँची अटारी वारी प्यारी की जय हो ।

रे मन मूरख चिंता न कर जप ले राधा राधा,
कोटि जनम की विपदा काटे राधा नाम यह आधा ।
हरी प्रकट हो ऐसी नाम खुमारी की जय हो,
चिंता हो ना भय हो, राधा रानी की जय हो ॥

जप तप सयम ना जानू, ना जानू कोई पूजा,
एक भरोसा श्री कुंवारी को, नाही कोई दूजा ।
शुक नारद भी गाये महिमा नयारी की जय हो,
चिंता हो ना भय हो, राधा रानी की जय हो ॥

जिनकी कृपा से वृन्दावन में मोहन मुरली बजाई,
टेड़े कदम के आगे खाडे, मुरली मधुर बजाई ।
ऐसो रस बरसाने वारी की जय हो,
चिंता हो ना भय हो, राधा रानी की जय हो ॥

'हरी दासी' सब छोड़ झमेले, बरसाने चली आना,
संतो के चरणो में जा के सांचो भाव जगाना ।
कोटि चद्र रूप उज़यारी की जय हो,
चिंता हो ना भय हो, राधा रानी की जय हो ॥

राधा रानी की जय, राधा रानी की जय
बोलो रस बरसाने वारी की जय
बोलो ऊँची अटारी वारी प्यारी की जय
राधा रानी की जय, राधा रानी की जय

स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1112/title/chinta-ho-na-bhay-ho-radha-rani-ki-jay-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |